

तारीख
हुकम

२

22.3.17 अकूलस एफ | Ald नन्कोपत हेतु समग्र
यंदा समग्र दिवा मन्वरे दि 08.5.17
को वेश हो।

६.१.०

लोक अदालत कम्प - नाडोल

(न्याय कापके द्वारा कमिशन, 2017)

1-6-2017

पदावली प्रस्तुत हुई।

वादी कावसूद सुपना पदा नामिल
होने के कारण स्थित है। कालः

प्रकरण का विस्तार उपलब्ध

रिपोर्ट एवं गुणावगुण पर विधा

जाना उचित समझते हैं।

वादी ने वाद अन्तर्गत

द्वारा 88-188 राजस्थान काउन्सिल

विधिमन्त्र प्रस्तुत कर निवेदन

विधा कि वादगुण शक्ति काया

नाडोल-पक II के खण्ड 4719,

4720, 4727, 4630 कुल

अदालत 2=52 हेक्टर विस्तार

वादी जो राजकीय विस्तार-पके



उपनिर्देश अधिकारी
देवरी (ग.प.)

शुक्ति दर्ज है, पर वादी का
चक्का संवत् 2040 से निरस्त
होने से पश्चाती चक्का के
काय्यार पर (वालेदारी कोफला
का कुल्लोप एवं ह्यारि शाराति
का कुल्लोप प्रदान करने का
निवेदन किया।

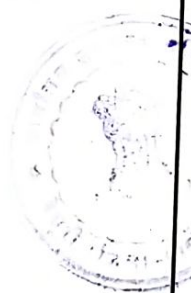
परिवादी काय्यार की
कार से इनिशियरी लडहीलर
देखी गे अकाय प्रस्तुत पर
वाकाल्त शुक्ति पर वादी का चक्का
संवत् 2052 एवं 2058 से ही है।
पश्चाती चक्का के काय्यार पर
धारा 88 R.T. Act के अन्तर्गत
खालेदारी कुपिकार प्रदान नहीं
किया जा सकता है। अतः वादी
वादी खारिज करने का निवेदन
किया गया।

उपलब्ध राजस्व रेकर्ड के
अनुसंधान से वाकाल्त शुक्ति नौजा
गाडोल II के क्रम 4720, 4630 पर
वादी का चक्का कालिकमण खण्डशक्ति
2051, 52 में दर्ज है तथा क्रम
4630 पर संवत् 2053, 2054, 2055

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

मै' कृषिप्रमण दर्ज है तथा वनों
 4630, 4720 पर संवत् 2056 एवं
 संवत् 4719, 4720, 4630 पर संवत्
 2057 मै' तथा वनों 4719, 472
 4627, 4630 पर संवत् 2058
 से 2063 मै' कृषिप्रमण दर्ज है। इस
 प्रकार वादी का कथन कि वास्तु
 शक्ति पर उसका कब्जा संवत् 2040
 से निरन्तर दर्ज है, मिथ्या कथन
 कथित है। चारा 28 R.T. Act
 के अन्तर्गत कारनकारी कृषिप्रमण
 प्रभाव में कानून के समान अर्थ में
 कारनकारक के रूप में दर्ज होने
 पर ही कृषिप्रमण की घोषणा
 संभव है। R.R.D. 1986 Page-86
 कर्तव्य के आधार पर (वादीनारी
 हक को ही घोषणा नहीं की जा
 सकती है। R.R.D. 1996 Page 389,
 R.R.D. 1997 Page-90, 256 मै'
 उद्धरणों के अवलोकन से उक्त कथन
 की पुष्टि स्पष्ट होती है। इसके
 अतिरिक्त यह भी जाहिर है कि
 वादी का कब्जा वास्तुशक्ति शक्ति
 पर संवत् 2012 से प्राणि राजस्व
 कारनकारी कृषिप्रमण के लक्षणों



उपखण्ड अधिकारी
 देसरी (पाली)

के वकत से प्रमाणित नहीं है एवं
वादी एवं के अपने वादपत्र में
कच्चा संवत् 2040 एं होना कंबिना
विदा है। इसी स्थिति में वादी
के लक्ष्य के आधार पर
स्वार्थदायक घोषित नहीं किया जा
सकता है। कनायिष्ठत कवर्गे के
आधार पर स्वार्थदारी हकको
की घोषणा नहीं की जा सकती
है, R R D-2004 Page 110 एं
प्रद लक्ष्य प्रमाणित है।

अतः वाद वादी स्वार्थ
विदा जाता है। प्रतिवादी
निम्नो के परिवेष्टम में वादी
के विकट निम्नानुसार धारणाएँ
के लिए स्वतंत्र है।

निर्णय दिनांक 1-6-2017 को
सुनाया गया।

(राजेश मेनडा)

उपखण्ड अधिकारी
दसूरी (बाली)